खबर संक्षेप

नहाने गए खलेशर के युवक की डूबने से मौत

उमरिया। जिले के पिकनिक स्पॉट्स और जलाशयों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम न होने का खामियाजा एक बार फिर एक हंसते-खेलते परिवार को भुगतना पड़ा है। गुरुवार को उमरार जलाशय में नहाने गया खलेशर निवासी 18 वर्षीय शुभम सोनी पिता पवन सोनी गहरे पानी की चपेट में आने से लापता हो गया। अपने चार दोस्तों के साथ मौज-मस्ती करने आए शुभम को बचाने की हर कोशिश नाकाम साबित हुई।घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची उमरिया पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीम गहरे पानी में रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। मौके पर डिप्टी कलेक्टर और एसडीएम बांधवगढ़ की मौजूदगी में तलाश जारी है, लेकिन घंटों बाद भी युवक का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इस दर्दनाक हादसे के बाद खलेशर मोहल्ले में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। आखिर कब तक प्रशासन इन खतरनाक जलाशयों पर केवल हादसे के बाद जागेगा, सुरक्षा गार्डों की तैनाती और चेतावनी बोर्ड लगाने की जिम्मेदारी से कब तक पल्ला झाड़ा जाएगा, युवाओं की यह जानलेवा लापरवाही और प्रशासनिक अनदेखी लगातार घरों के चिराग बुझा रही है।

पैसा वसूलने के बाद भी नहीं सुधारी बाइक

शहडोल। कहते हैं कि नारी जब तक चुप है, तभी तक चुप है, लेकिन जब उसके सब्र का बांध टूटता है, तो वह चंडी का रूप धरकर अन्याय और धोखाधड़ी करने वालों को सबक सिखाने में जरा भी देर नहीं लगाती। जिले के धनपुरी कोयलांचल में एक ऐसा ही रोंगटे खड़े कर देने वाला नजारा देखने को मिला, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। ग्राहकों को बेवकूफ बनाकर जेब ढीली करने वाले एक बेपरवाह बाइक मिस्त्री को एक महिला के तीखे तेवरों का सामना करना पड़ा। भड़की महिला ने न केवल मिस्त्री की हेकड़ी निकाली, बल्कि सरेराह उसका कॉलर पकडक़र घसीटते हुए उसे सीधे थाने पहुंचा दिया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर आज की झांसी की रानी के टैग के साथ तेजी से वायरल हो रहा है। अनूपपुर जिले के चचाई थाना अंतर्गत विवेकनगर निवासी अनिल गुप्ता अपनी हीरो होंडा स्प्लेंडर प्लस बाइक खराब होने पर उसे धनपुरी के अमरकंटक रोड स्थित एक तथाकथित मैकेनिक फारूक के पास बनवाने ले गए थे। मिस्त्री फारूक ने बाइक की मरम्मत का झूठा दावा किया और काम के बदले पूरे पैसे भी वसूल लिए, लेकिन हद तो तब हो गई जब दुकान से निकलते ही कुछ ही दूरी पर बाइक फिर से कबाड़ हो गई और बंद पड़ गई।गाड़ी दोबारा खराब होने के कारण अनिल गुप्ता और उनकी महिला मित्र को इस तपती धूप में कई किलोमीटर तक भारी बाइक को धक्का लगाते हुए पैदल चलना पड़ा।

डिजिटलीकरण के क्रेडिट पर डिप्टी सीएम का बयान

एमपी स्वास्थ्य विभाग का मुन्नाभाई

एक डॉक्टर, तीन जिलों में ड्यूटी और लोकायुक्त का रिश्वत वाला थर्मामीटर! असली डॉक्टर भरतपुर में, फर्जी चाचा शहडोल में उड़ा रहा था सरकारी माल

शहडोल। जिले का स्वास्थ्य विभाग हमेशा से अपनी अदभुत और अलौकिक कार्यप्रणाली के लिए प्रसिद्ध रहा है, लेकिन इस बार जो कारनामा सामने आया है, उसने फिल्मों को भी पीछे छोड़ दिया है। जिले से शुरू हुआ यह कथित फर्जी डॉक्टर कांड अब सूबे की सियासत और स्वास्थ्य महकमे के गलियारों में ऐसा भूचाल ले आया है कि बड़े-बड़े सूरमाओं के पसीने छूट रहे हैं। रीवा लोकायुक्त द्वारा एक तथाकथित डॉक्टर को रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोचे जाने के बाद जब फाइलें खुलीं, तो पता चला कि साहब डॉक्टर तो दूर, चिकित्सा के 'च' से भी वाकिफ नहीं थे, इस फर्जीवाड़े पर अब डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला का बयान आया है, जिसमें उन्होंने इसे डिजिटलीकरण की सफलता बताया है। हालांकि, जनता यह सोचकर हैरान है कि डिजिटल इंडिया आने से पहले हमारा यह मुन्नाभाई सिस्टम की नाक के नीचे सालों से कौन सी नब्ज टटोल रहा था।

एक शरीर, तीन ठिकाने

रीवा लोकायुक्त की सर्जिकल स्ट्राइक के बाद जब जांच की सुई घूमी, तो स्वास्थ्य विभाग की दिव्य दृष्टि का खुलासा हुआ। जिस व्यक्ति को विभाग सालों से बड़े आदर के साथ डॉ. महेश चंद्र शर्मा मानकर हर महीने तगड़ी सैलरी दे रहा था, वह दरअसल राजस्थान के भरतपुर निवासी एक असली डॉक्टर के कागजातों की फोटोकॉपी पर चल रहा था। हद तो देखिए, हमारे स्वास्थ्य विभाग के बाबू और साहब इतने चमत्कारी हैं कि उन्होंने इस एक डॉक्टर की आत्मा को एक साथ तीन-तीन जिलों शहडोल, श्योपुर और खरगोन में पदस्थ कर दिया, विज्ञान परेशान है कि एक व्यक्ति एक ही समय पर तीन अलग-अलग जिलों में मरीजों का इलाज कैसे कर सकता है, लेकिन मध्य प्रदेश स्वास्थ्य विभाग के लिए यह चुटकियों का खेल था। हाजिरी तीनों जगह लग रही थी, वेतन उठ रहा था और निगरानी करने वाले साहबान कुंभकर्णी नींद सो रहे थे।

भतीजे की डिग्री, चाचा की नौकरी

इस पूरी कहानी में ट्विस्ट तब आया जब भरतपुर के असली डॉ. महेश चंद्र शर्मा को भनक लगी कि मध्य प्रदेश में उनके नाम पर कोई और ही क्लीनिक चला रहा है। असली डॉक्टर आनन-फानन में शहडोल पहुंचे और जयसिंहनगर थाने में जाकर माथा पीटते हुए शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के मुताबिक, यह कोई और नहीं बल्कि उनके अपने सगे रिश्ते के चाचा सतीश शर्मा हैं, जिन्होंने अपने ही सगे भतीजे के भविष्य और शैक्षणिक दस्तावेजों पर डाका डालकर यह सरकारी कुर्सी हथियाई थी। अब पुलिस कागजों का पुलिंदा समेटकर वैधानिक कार्रवाई का पारंपरिक राग अलाप रही है।

डिजिटल हुआ तो पकड़ा गया

इस पूरे बवाल पर सूबे के स्वास्थ्य मंत्री और उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कड़े तेवर दिखाते हुए कहा कि विभाग में जो व्यापक स्तर पर डिजिटलीकरण किया गया है, यह उसी की देन है कि आज ऐसे मामले उजागर हो रहे हैं। मंत्री जी ने ऐलान किया है कि फर्जी डॉक्टर के खिलाफ तत्काल प्रभाव से एफआईआर दर्ज होगी, उसकी सेवाएं तुरंत समाप्त की जाएंगी, सालों से सरकारी खजाने से लूटा गया एक-एक पैसा और वेतन वसूला जाएगा, लेकिन हुजूर, सवाल तो यह है कि जब तक यह सिस्टम अंगूठा छाप था, तब तक इतने बड़े पैमाने पर सरकारी खजाने में जो डकैती डाली गई, उसका जिम्मेदार कौन है?

हाजिरी लगाने वाले मालिकों पर भी गाज!

स्वास्थ्य मंत्री ने इस बात को स्वीकार किया कि इतने सालों तक कोई फर्जी व्यक्ति सिस्टम की आंखों में धूल झोंकता रहा, तो यह अकेले उसकी कलाकारी नहीं हो सकती। उन्होंने साफ लहजे में चेतावनी दी है कि जिस ब्लॉक स्तर के अधिकारियों ने उसकी झूठी उपस्थिति दर्ज की, फाइलों को आगे बढ़ाया, रिपोर्टिंग की और आंखें मूंदकर बैठे रहे, उन सभी बड़े साहबों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। ऐसे लापरवाह और हिस्सेदार अधिकारियों के खिलाफ विभागीय और कानूनी हंटर चलना तय है।

प्रशासनिक जवाबदेही की सबसे बड़ी अग्निपरीक्षा

फिलहाल, यह मामला सिर्फ एक फर्जी डॉक्टर की गिरफ्तारी और रिश्वतखोरी तक सीमित नहीं रह गया है। यह मध्य प्रदेश स्वास्थ्य विभाग की पूरी नियुक्ति प्रक्रिया, वेरिफिकेशन सिस्टम और प्रशासनिक ईमानदारी की सबसे बड़ी अग्निपरीक्षा बन चुका है। जांच एजेंसियां अब यह खंगालने में जुटी हैं कि इस सिंडिकेट में ऊपर से लेकर नीचे तक और कितने सतीश शर्मा छिपे बैठे हैं और उन्होंने मिलकर सरकारी तिजोरी को कितने करोड़ों का चूना लगाया है।

इनका कहना है...

इस संबंध में हमको जो शिकायत प्राप्त हो रही है और राजस्थान से जो अधिकारी हमको बयान दे रहे है, उस शिकायत जांच पर कोई संज्ञेय अपराध पाया जाता है तो, कार्यवाही की जाएगी।

संजय कुमार अग्रवाल
पुलिस अधीक्षक, शहडोल

देवलोंद में वायरल बारकोड से बढ़ा रेत कारोबार पर विवाद

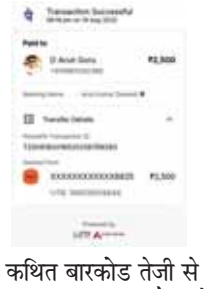

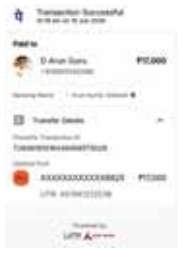

संरक्षण के आरोपों की जांच की मांग

शहडोल। जिले के देवलोंद क्षेत्र में कथित अवैध रेत उत्खनन को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। इस बार सोशल मीडिया पर कुछ कथित बारकोड तेजी से वायरल हो रहे हैं। इन्हें लेकर दावा किया जा रहा है कि रेत परिवहन करने वाले वाहनों के लिए अलग-अलग बारकोड जारी किए जाते हैं। हालांकि, वायरल हो रहे इन बारकोडों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और न ही प्रशासन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सोन नदी से प्रतिदिन बड़ी संख्या में हाइवा और ट्रैक्टरों के माध्यम से रेत का परिवहन जारी है। आरोप यह भी लगाए जा रहे हैं कि कथित रूप से ऑनलाइन भुगतान के जरिए वसूली की व्यवस्था संचालित होती है। इन दावों की भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।क्षेत्र में चर्चा है कि ग्राम पंचायत सुखाड़ की आड़ में कथित रूप से बड़े पैमाने पर रेत का कारोबार संचालित हो रहा है। शिकायतकर्ताओं ने अरुण का नाम लेते हुए आरोप लगाए हैं कि उनके प्रभाव में यह पूरा नेटवर्क चल रहा है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि पंचायत प्रतिनिधियों के नाम का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। इन आरोपों की पुष्टि किसी सक्षम जांच एजेंसी द्वारा अभी तक नहीं की गई है।सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे बारकोडों को लेकर यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि देवलोंद थाने में पदस्थ ओम प्रकाश तथा थाना प्रभारी के संरक्षण में कथित रूप से यह व्यवस्था संचालित होती है। हालांकि, इन आरोपों के समर्थन में कोई आधिकारिक जांच रिपोर्ट या न्यायिक निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं है। संबंधित अधिकारियों की ओर से भी इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि वायरल बारकोड वास्तविक हैं, तो उनकी तकनीकी और फोरेंसिक जांच कराई जानी चाहिए। साथ ही यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि उनका उपयोग किस उद्देश्य से किया जा रहा था और उनका किसी सरकारी व्यवस्था से कोई संबंध है या नहीं। लोगों ने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और खनिज विभाग से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। यदि सोशल मीडिया पर वायरल सामग्री और लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो, दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हो और यदि आरोप गलत साबित हों तो, इसकी भी स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक की जाए, ताकि अफवाहों पर विराम लग सके। फिलहाल यह मामला जांच और प्रशासनिक स्पष्टता की प्रतीक्षा में है।

निर्माणाधीन कार्य समय-सीमा में पूर्ण कर जन प्रतिनिधियों से कराएं लोकार्पण: उप मुख्यमंत्री

एनीमिया मुक्त भारत बनाने छात्राओ को प्रति सप्ताह आयरन की गोलिया खिलाई जाएंः शुक्ल

शहडोल। उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल की उपस्थिति में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में सम्पन्न हुई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विभागीय अधिकारियों को प्रोएक्टिव होकर कार्य करने के निर्देष देते हुए सभी निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण कर लोकार्पण सांसद एवं विधायको से कराएं। उप मुख्यमंत्री ने बैठक में विजयसोता पुल निर्माण कार्य के प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि पुल निर्माण कार्य में तेजी लाएं तथा 31 अक्टूबर तक पूर्ण करें जिससे आमजन को लाभ मिल सकें।

श्री शुक्ल ने विकास सलाहकार समिति की बैठक में शहडोल से उमरिया सडक़ मार्ग, हिरवार सिंचाई माइक्रो परियोजना, शहडोल नगर के सीवरेज प्रोजेक्ट, जल जीवन मिशन के कार्य सहित अन्य विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर कार्यों में प्रगति लाने की निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वस्थ्य भारत के लिए विभिन्न राष्ट्रीय अभियान एनीमिया मुक्त भारत अभियान, सिकल सेल उन्मूलन, टीबी मुक्त भारत अभियान जैसे अनेको अभियान संचालित किये जा रहे है। एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत शहडोल जिले के विद्यालयों में स्वास्थ्य शिविरो का आयोजन कर बालिकाओं का हीमोग्लोबिन बढाने के लिए प्रति सप्ताह के मंगलवार को आयरन फोलिक गोली अनिवार्य रूप से खिलाई जाएं। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने हेतु महिला बाल विकास, स्वास्थ्य विभाग, जनजातीय विभाग समन्वय स्थापित करते हुए मैदानी स्तर पर कार्यवाही करें एवं समय समय मॉनिटरिंग करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह की 9 एवं 25 तारीख को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत गर्भवती माताओ की जांच की जाती है। गर्भवती माताओं इन षिविरो में भेजकर उनका चेकअप कराएं तथा आवष्यकता पडऩे पर जिला चिकित्सालय में भेजकर उपचार कराएं। उन्होंने कहा कि दूषित जल बीमारी को प्रमुख कारण होता है। भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा इस समस्या के निदान हेतु जल जीवन मिषन के तहत हर घर नल से जल पहुंचाने का काम कर रही है। इसके साथ ही आगामी दिनों में एकल नल जल योजनाओ को समूह नल जल योजना से जोडक़र फिल्टर पानी पहुंचाने का कार्य भी किया जाएगां।

उन्होंने कहा कि शहडोल जिले में 24 नए मेडिकल ऑफिसर नियुक्त किए गए हैं उनकी सेवाएं विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में ली जाए एवं कोई भी स्वास्थ्य केंद्र डॉक्टरविहीन न रहे यह सुनिश्चित करें। उप मुख्यमंत्री ने समिति के सदस्यो से प्राप्त सुझावों के अनुसार बस स्टैंड से मेडिकल कॉलेज सडक़ मार्ग का चैड़ीकरण कराने एवं सडक़ दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु मेडिकल चैराहे पर जंक्शन प्वाइंट को शामिल करने हेतु प्रस्ताव भेजने एवं मेडिकल कॉलेज में सिकल सेल वार्ड बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जिले में वृहद स्तर पर रक्तदान षिविरो का आयोजन किया जाए जिससे सिकल सेल तथा थैलसिमिया के रोगियो को बार-बार रक्तदान की आवष्यकता की पूर्ति की जा सकें।

शांति देवी मेमोरियल स्कूल के बच्चों ने जाना भारतीय संस्कृति का मर्म

शहडोल। स्थानीय शिक्षण संस्थान शांति देवी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा का पावन पर्व बेहद श्रद्धा, उल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर विद्यालय प्रांगण में एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत, आध्यात्मिक परंपराओं और नैतिक मूल्यों से जीवंत रूप से जोडऩा था।विशेष प्रार्थना सभा के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी अनूठी प्रतिभा और अटूट भक्ति का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने भगवान जगन्नाथ की महिमा और लीलाओं पर आधारित अत्यंत मनमोहक रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। सुमधुर भक्ति गीतों और भजनों की धुनों पर थिरकते बच्चों ने संपूर्ण वातावरण को पूरी तरह से भक्तिमय कर दिया। कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों ने विद्यार्थियों को रथ यात्रा के पौराणिक, धार्मिक और सामाजिक महत्व से बेहद सरल और रोचक तरीके से परिचित कराया। इस गरिमामयी अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए विद्यालय के डायरेक्टर राजन शर्मा और मैनेजर श्रीमती मोनिका तिवारी ने संयुक्त रूप से कहा भगवान जगन्नाथ की यह विश्वप्रसिद्ध रथ यात्रा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, निस्वार्थ सेवा और लोककल्याण का अनुपम प्रतीक है। विद्यालय स्तर पर ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से बच्चों में वैचारिक चेतना, नैतिक मूल्यों और अपनी जड़ों व परंपराओं के प्रति गहरे सम्मान की भावना का बीजारोपण होता है।

विद्यालय की प्राचार्या सुश्री शुभांगी श्रीवास्तव ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा हमें आपसी प्रेम, समानता, सहयोग, अटूट अनुशासन और मानव सेवा का पावन संदेश देती है। उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे इन महान आदर्शों को केवल सुने ही नहीं, बल्कि अपने दैनिक जीवन में उतारकर एक जिम्मेदार और आदर्श नागरिक बनने का संकल्प लें।बेहद व्यवस्थित और सफल संचालन के साथ आयोजित हुए इस कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ अपनी सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम का समापन भगवान जगन्नाथ के गगनभेदी जयघोष और संपूर्ण मानवता के कल्याण, सुख, शांति व समृद्धि की मंगलकामनाओं के साथ हुआ। आरती के उपरांत उपस्थित जनों में महाप्रसाद का वितरण भी किया गया।

किसान माह कार्यक्रम में किसानों को मिला सशक्तिकरण का संदेश

12 कृषकों को 58 लाख का कृषि ऋण वितरित

जयसिंहनगर। ग्रामीण अंचलों के किसानों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनाने की दिशा में मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक द्वारा निरंतर सार्थक पहल की जा रही है। इसी क्रम में (1 जुलाई से 31 जुलाई 2026) तक चलने वाले,,किसान माह,,अंतर्गत बुधवार, 15 जुलाई 2026 को मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक, शाखा जयसिंहनगर में एक गरिमामय एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के किसानों को बैंक की विभिन्न कृषि एवं स्वरोजगार योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा पात्र कृषकों को ऋण वितरण कर उन्हें आर्थिक उन्नति की मुख्यधारा से जोडऩे का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक के महाप्रबंधक शिवाशीष त्रिपाठी रहे। उनके साथ क्षेत्रीय प्रबंधक अभय तिवारी, साख विभाग प्रबंधक आनंद तिवारी, शाखा प्रबंधक जयसिंहनगर नीलेश सिंह बघेल, शाखा प्रबंधक न्यू बरौंधा शिशिर प्रजापति, शाखा प्रबंधक टिहकी, शाखा प्रबंधक पपौंध सहित बैंक के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं पुष्पगुच्छ भेंट के साथ हुआ। शाखा प्रबंधक नीलेश सिंह बघेल ने सभी अतिथियों का आत्मीय अभिनंदन करते हुए किसान माह के उद्देश्यों एवं बैंक की जनहितकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला।

शाखा जयसिंहनगर के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में जयसिंहनगर, टिहकी एवं पपौंध क्षेत्र से बड़ी संख्या में किसान बंधुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान शाखा जयसिंहनगर से 12 चयनित किसानों को कुल 58 लाख की कृषि ऋण राशि वितरित की गई। ऋण प्राप्त करने वाले कृषकों के चेहरे पर प्रसन्नता एवं आत्मविश्वास स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा था। यह आर्थिक सहायता न केवल उनकी कृषि गतिविधियों को गति प्रदान करेगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी। इस अवसर पर किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), कृषि सावधि ऋण, पशुपालन ऋण, कृषि उपकरण ऋण तथा किसान गृह ऋण सहित बैंक द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। बैंक अधिकारियों ने बताया कि किसान माह के अंतर्गत नवीन एवं नवीनीकृत किसान क्रेडिट कार्ड खाताधारकों को एक लाख रुपये तक की दुर्घटना बीमा सुरक्षा का लाभ भी प्रदान किया जा रहा है, जिससे किसानों और उनके परिवारों को आकस्मिक परिस्थितियों में आर्थिक संबल प्राप्त हो सकेगा। मुख्य अतिथि महाप्रबंधक शिवाशीष त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि देश की उन्नति का मार्ग गांवों और किसानों की समृद्धि से होकर गुजरता है। उन्होंने किसानों से आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने, समय पर ऋण की अदायगी सुनिश्चित करने तथा बैंक की योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाकर अपनी आय में वृद्धि करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक सदैव किसानों के विकास एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध रहा है और भविष्य में भी उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप सेवाएं उपलब्ध कराता रहेगा। क्षेत्रीय प्रबंधक अभय तिवारी ने किसानों को संबोधित करते हुए उन्हें डिजिटल बैंकिंग, वित्तीय साक्षरता एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं से जुडऩे के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेशन के माध्यम से ही ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। वहीं साख विभाग प्रबंधक आनंद तिवारी ने बैंक की ऋण संबंधी प्रक्रियाओं एवं किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी साझा की।कार्यक्रम में बैंक के खाता धारक क्षेत्र के सामाजिक एवं जनप्रतिनिधि वर्ग की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। प्रमुख रूप से पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा मंडल जयसिंहनगर रामनारायण पांडेय, पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा मंडल करकी राजेश द्विवेदी एवं सत्यम पयासी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यापारी विजय शुक्ला, अंकित पांडेय, आदेश तिवारी एवं दुर्गेश गुप्ता सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं किसान बंधु कार्यक्रम में शामिल हुए। समापन अवसर पर शाखा प्रबंधक नीलेश सिंह बघेल ने सभी अतिथियों, किसानों एवं उपस्थित जनसमुदाय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसान माह के अंतर्गत आगामी दिनों में भी किसानों के हित में विभिन्न जागरूकता एवं वित्तीय सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ग्रामीण विकास एवं कृषक कल्याण को समर्पित यह आयोजन न केवल किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ, बल्कि बैंक और किसानों के बीच विश्वास एवं सहयोग के संबंधों को भी और अधिक सुदृढ़ करने वाला साबित हुआ।

खबर संक्षेप

सरई पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो जगहों से 72.5 लीटर अवैध शराब जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

अनूपपुर। मध्यप्रदेश शासन के नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत अनूपपुर जिले की करनपठार थाना अंतर्गत सरई पुलिस चौकी ने अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर 72.5 लीटर अवैध देशी एवं अंग्रेजी शराब जब्त की है। इस कार्रवाई में दो आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा एसडीओपी पुष्पराजगढ़ के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी करनपठार निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार बरकरे के नेतृत्व में चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक मंगला प्रसाद दुबे ने पुलिस टीम के साथ ग्राम बड़ीतुम्मी एवं छीरपानी में कार्रवाई की। पहली कार्रवाई ग्राम बड़ीतुम्मी में की गई, जहां आरोपी विजय सिंह गोंड (50 वर्ष) के किराना दुकान में अवैध रूप से शराब बिक्री किए जाने की सूचना पर दबिश दी गई। तलाशी के दौरान पुलिस ने 32 लीटर देशी, अंग्रेजी शराब एवं बीयर, जिसकी कुल अनुमानित कीमत 15,720 रुपये है, बरामद कर जब्त की। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। दूसरी कार्रवाई ग्राम छीरपानी में की गई, जहां आरोपी साहिल सिंह गोंड (22 वर्ष) के घर से अवैध शराब का जखीरा बरामद हुआ। पुलिस ने यहां से 40.5 लीटर देशी एवं अंग्रेजी शराब, जिसकी कुल कीमत 25,250 रुपये आंकी गई है, जब्त की। आरोपी के विरुद्ध भी आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विधिसम्मत कार्रवाई की गई। दोनों कार्रवाइयों में सरई पुलिस ने कुल 72.5 लीटर अवैध शराब, जिसकी कुल अनुमानित कीमत 40,970 रुपये है, जब्त की है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। इस पूरी कार्रवाई में प्रधान आरक्षक कमल सिंह मसराम, रामप्रसाद सिंह मरावी, फूल सिंह श्याम तथा आरक्षक नीरज गुप्ता, साहब सौर एवं मनोज कुमार धुर्वे की सराहनीय भूमिका रही।

जमुना में 17-18 जुलाई को सजेगा राष्ट्रीय दंगल

भालूमाड़ा। नगर पालिका पसान द्वारा लगातार तीसरे वर्ष जमुना कालरी स्थित दुर्गा पंडाल मैदान में 17 एवं 18 जुलाई को दो दिवसीय भव्य दंगल (कुश्ती) प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का शुभारंभ 17 जुलाई, शुक्रवार को दोपहर 3 बजे होगा। इस अवसर पर देश-विदेश के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय महिला-पुरुष पहलवान अपने दमदार दांव-पेंच और रोमांचक मुकाबलों से खेल प्रेमियों का भरपूर मनोरंजन करेंगे। नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह ने बताया कि यह आयोजन क्षेत्र के खेल प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। दंगल में हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड सहित नेपाल के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवान भाग लेंगे। प्रतियोगिता में कुल 8 महिला और 20 पुरुष पहलवान अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि आयोजन की खास बात यह होगी कि दर्शकों को महिला कुश्ती, पुरुष कुश्ती के साथ-साथ महिला एवं पुरुष पहलवानों के विशेष मुकाबले भी देखने को मिलेंगे, जिससे प्रतियोगिता और अधिक रोमांचक बनेगी। आयोजकों के अनुसार दंगल केवल प्रतिस्पर्धा का मंच नहीं, बल्कि भारतीय पारंपरिक कुश्ती संस्कृति और खेल भावना को बढ़ावा देने का भी माध्यम है। इससे क्षेत्र के युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरणा मिलेगी।

आखिर किसके संरक्षण में फल-फूल रहा घोटाला

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी ग्राम पंचायत उमरिया

मशीनों से काम, चहेतों की फर्जी हाजिरी से सरकारी खजाने में खुलेआम डकैती कलेक्टर व जिला पंचायत सीईओ से जांच की मांग

मानपुर। जनपद पंचायत मानपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत उमरिया इस समय भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा अखाड़ा बन चुकी है। विकास कार्यों के नाम पर यहां जनता के पैसों की ऐसी बंदरबांट मची है कि नियम-कायदे तार-तार हो चुके हैं। उमरिया में सीसी रोड निर्माण से लेकर पंचायत परिसर के जीर्णोद्धार तक, हर काम सिर्फ कागजों और फर्जी हाजिरी के भरोसे चल रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि प्रशासनिक नाक के नीचे चल रहे इस खेल पर आखिर अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई? आखिर इन भ्रष्टाचारियों को किसका संरक्षण प्राप्त है?

चहेतों के खातों में जा रहा मजदूरी का पैसा

पंचायत की तानाशाही और मनमानी का आलम देखिए कि सीसी रोड का निर्माण धड़ल्ले से जेसीबी और मिक्सर मशीनों द्वारा कराया गया। नरेगा (मनरेगा) की गाइडलाइन साफ कहती है कि स्थानीय मजदूरों को रोजगार दिया जाए, लेकिन उमरिया सरपंच लौकेश कुशवाहा ने सारे नियमों को ताक पर रख दिया। मशीनों से काम कराकर, मस्टर रोल में अपने चहेतों और सगे-संबंधियों की फर्जी हाजिरी भर दी गई। हद तो तब हो गई जब सीसी रोड का काम मशीन से चल रहा था, और लेबर की फर्जी हाजिरी तालाब निर्माण के नाम पर लगाई जा रही थी। बिना काम किए शासन की राशि का यह आहरण सीधे-सीधे सरकारी खजाने पर डकैती है।

तारीखों के साथ फर्जीवाड़े का खेल, पुख्ता सबूत उजागर

विशेष सूत्रों और मस्टर रोल के दस्तावेजों से सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि 13 जून 2026 से 19 जून 2026 के बीच नरेगा के तहत बड़े पैमाने पर फर्जी हाजिरी दर्ज की गई। 10 से 12 लाख रुपये के भारी-भरकम स्टीमेट वाली इस सीसी रोड में सामग्री और मजदूरी का जो अनुपात होना चाहिए था, उसे पूरी तरह गायब कर दिया गया। धरातल पर काम की गुणवत्ता शून्य है, लेकिन मस्टर रोल में सरपंच ने बिना किसी डर के अपने समाज और करीबियों के नाम चढ़ा दिए।

इन नामों पर लगी फर्जी हाजिरी

बृजेश काछी, दुर्गाबाई कुशवाहा, हीरालाल कुशवाहा, विनोद कुमार कुशवाहा, लाल काछी, फूलबाई कुशवाहा, लखन काछी, कमलेश कुशवाहा, गोमती बाई कुशवाहा, रामकुमार, रामदुलारे कुशवाहा, रमाबाई कुशवाहा, ओम प्रकाश कुशवाहा, अमृत लाल, पूरण काछी, झल्लू काछी, उमाशंकर और रामशरण। इन सभी के नाम से फर्जी हाजिरी लगाकर राशि का आहरण किया गया है, जिसके पुख्ता मस्टर रोल नंबर और प्रमाण मौजूद हैं।

भाई को बांट दिया पीएम आवास

सरपंच की दबंगई यहीं नहीं रुकी। शासकीय नियमों के अनुसार कोई भी जनप्रतिनिधि अपने परिवार या सगे भाई को सीधे तौर पर योजनाओं का अनुचित लाभ नहीं दे सकता। परंतु, उमरिया सरपंच ने नियमों को ठेंगा दिखाते हुए अपने सगे भाई को ही प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ

रेवड़ियों की तरह बांट दिया। इसके अलावा, ग्राम पंचायत परिसर में पहले से ही पक्का फर्श (फर्शिंग) मौजूद था। इसके बावजूद, वहां दोबारा पेवर ब्लॉक लगाने का नाटक रचा गया। इस कार्य में भी मशीनों का उपयोग हुआ, लेकिन कागजों में फर्जी लेबर दिखाकर और फर्जी बिल लगाकर लाखों रुपये ठिकाने लगा दिए गए।

सरपंच, सचिव और इंजीनियर की त्रिमूर्ति का गठजोड़

बिना किसी डर और खौफ के चल रहे इस महाघोटाले के पीछे सरपंच, सचिव और उपयंत्री की मिलीभगत साफ नजर आ रही है। तकनीकी मूल्यांकन से लेकर मस्टर रोल वेरिफिकेशन तक, सब कुछ बंद कमरों में बैठकर मैनेज किया जा रहा है। जागरूक ग्रामीणों ने मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच कराई जाए, मस्टर रोल का भौतिक सत्यापन हो और दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजकर रिकवरी की जाए।

दो दिवसीय एमएसएमई कंपोजिट कार्यशाला का आयोजन संपन्न

उमरिया। भारत सरकार के सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) एवं विश्व बैंक समर्थित रैंप योजना के अंतर्गत दो दिवसीय एमएसएमई कंपोजिट कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला का उद्देश्य जिले के उद्यमियों युवा स्वरोजगार इच्छुकों एवं स्वयं सहायता समूहों को शासन की विभिन्न योजनाओं, सेवाओं एवं व्यवसाय विस्तार के अवसरों से जोडऩा है। कार्यशाला के द्वितीय दिवस में विशेषज्ञों द्वारा रैंप योजना जागरुकता, जैड प्रमाणन, एसएचजी फार्मालाईजेशन, टीम ओनडीसी जेम पोर्टल बीआईएस प्रमाणन तथा इफको टोकियो जनरल इंशोरेंस से संबंधित महत्वपूर्ण विषयो पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों को गुणवत्ता उन्नयन शासकीय सामग्री खरीद में भागीदारी, डिजिटल मार्केट प्लेस से जुडऩे , जोखिम प्रबंधन एवं बीमा सुरक्षा जैसे विषयों पर व्यवहारिक मार्गदर्शन भी दिया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बताया कि जेड प्रमाणन के माध्यम से एम एस एम ई इकाइयाँ गुणवत्ता एवं पर्यावरणीय मानकों को अपनाकर अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ा सकती हैं। वहीं टीम ओएनडीसी के माध्यम से स्थानीय उद्यमी एवं स्वयं सहायता समूह अपने उत्पादों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर व्यापक बाजार तक पहुँचा सकते हैं। जेम पोर्टल के माध्यम से सरकारी विभागों को उत्पाद एवं सेवाएँ उपलब्ध कराने के अवसरों तथा बीआईएस प्रमाणन के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इफको टोकियो जनरल इंशोरेंस के प्रतिनिधियों ने उद्योगों एवं उद्यमियों के लिए उपलब्ध विभिन्न बीमा योजनाओं की जानकारी साझा की। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों की सुविधा हेतु उद्यम पंजीकरण , जेड सर्टिफिकेशन एवं टीम ओएनडीसी ओनबोर्डिंग के लिए विशेष वॉक-इन एवं कियोस्क सुविधा भी संचालित की गई जहाँ इच्छुक उद्यमियों एवं स्वयं सहायता समूहों को मौके पर ही पंजीकरण कर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को उपयोगी बताते हुए शासन की योजनाओं से जुडऩे एवं अपने उद्यमों को सशक्त बनाने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा सभी प्रतिभागियों विशेषज्ञों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए अधिक से अधिक उद्यमियों से शासन की योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर एवं प्रतिस्पर्धी उद्योग स्थापित करने का आह्वान किया गया।

सिविल डिफेंस वॉलंटरी प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। सिविल डिफेंस वॉलंटरी प्रशिक्षण का आयोजन प्रभारी कमांडेंट होमगार्ड राहुल साहू द्वारा किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य संबंधी इमरजेंसी सेवाओं के लिए उपचार जैसे सीपीआर, प्राथमिक उपचार पोस्टेड बॉक्स का उपयोग रेपेलेंट बांधना टर्मिनेटिंग एवं रेफरल ट्रांसपोर्ट इमरजेंसी टोल फ्री नंबर पर सेवाएं प्रदान करने हेतु एक दिवसीय स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में वॉलिंटियर्स को प्रशिक्षण प्रदान किया गया । प्रशिक्षण में डॉ ऋचा गुप्ता द्वारा प्राथमिक प्रबंधन एवं पैरामीटर के विषय में बताया गया कि आपातकालीन परिस्थितियों जैसे भूकंप आने की स्थिति में में सर्वप्रथम रन अवे एवं एबीसी फॉर्मूले को विस्तृत रूप से बढक़र प्रतिभागियों को आवश्यक टोल फ्री नंबर प्राथमिक उपचार हेतु किट का उपयोग करें । डॉक्टर ए पी गुप्ता द्वारा सीपीआर रेपेलेंट बांधना टर्मिनेटिंग एवं रेफरल ट्रांसपोर्ट पर विस्तृत चर्चा कर प्रतिभागियों को जागरूक किया गया। जिला समन्वयक व्दारा किशोर स्वास्थ्य , मानसिक स्वास्थ्य, एनीमिया प्रबंधन हेल्दी डाइट एवं समुदाय आधारित सहयोग के संबंध में जानकारी दी गई।

स्कूल वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को न बिठाएं: कलेक्टर

कलेक्टर ने ओव्हरलोडिंग वाहनों की नियमित चेकिंग के दिए निर्देश

उमरिया। जिले में वर्तमान शैक्षणिक सत्र आरंभ हो गया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती राखी सहाय ने कहा है कि स्कूली छात्र, छात्राओं को लाने ले जाने वाले वाहनों में क्षमता से अधिक विद्यार्थियों को न बिठाया जाए। यह बात संज्ञान में आई है कि चालकों द्वारा क्षमता से अधिक छात्र, छात्राओं को वाहनों में बैठाया जा रहा है। वाहनों में ओव्हरलोडिंग के कारण स्कूली छात्र, छात्राओं को अत्यधिक असुविधा का सामना करना पड़ता है। इस लापरवाही के कारण हर समय किसी गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है, जिससे उनके जान पर खतरा बना रहता है। अतः स्कूली छात्र, छात्राओं को लाने ले जाने वाले वाहनों की आकस्मिक चैकिंग करना सुनिश्चित करें तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले और क्षमता से अधिक स्कूली छात्र, छात्राओं को बिठाने वाले चालकों के विरूध्द सख्त कानूनी कार्रवाई की करें, ताकि स्कूली छात्र, छात्राएं सुरक्षित स्कूल आ-जा सकें।

गाजे-बाजे और जयघोष के बीच निकली प्रभु जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा, श्रद्धालुओं ने खींचा रथ

कोतमा। नगर में गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई। गाजे-बाजे, भजन-कीर्तन और जगन्नाथ के भात को, जगत पसारे हाथ के जयघोष से पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ भक्तों को दर्शन देने रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण के लिए निकले। रथयात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिला, पुरुष और बच्चों ने भाग लेकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। रथयात्रा से पूर्व पंचायती मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा का विधि-विधान से अभिषेक, पूजन और आकर्षक श्रृंगार किया गया। इसके बाद भगवान को कढ़ी-चावल एवं मेवा का विशेष भोग अर्पित किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान को भव्य रथ पर

विराजमान कराया गया, जहां श्रद्धालुओं ने दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। शाम करीब 5 बजे पंचायती मंदिर से रथयात्रा प्रारंभ हुई। श्रद्धालु पूरे उत्साह और भक्ति भाव से रथ की रस्सियां खींचते हुए भगवान का जयघोष कर रहे थे। यात्रा स्टेशन चौक, गांधी चौक सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली। मार्ग में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों तथा श्रद्धालुओं ने भगवान की आरती उतारकर स्वागत किया। कई स्थानों पर प्रसाद वितरण किया गया तथा पुष्पवर्षा कर भगवान का अभिनंदन किया गया। यात्रा के दौरान भजन-कीर्तन और धार्मिक धुनों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। रथयात्रा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल पुलिस बल के साथ पूरे मार्ग पर मौजूद रहे और सुरक्षा व्यवस्था की सतत निगरानी करते रहे। वहीं नगर पालिका परिषद द्वारा रथयात्रा मार्ग की विशेष साफ-सफाई कराई गई तथा चूने से मार्ग चिन्हित कर श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित की गई। पूरे आयोजन के दौरान नगर में आस्था, श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने नगरवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

5000 युवाओं की आवाज़ बने कोतमा के एंकर उज्ज्वल सराफ

माय यूथ, माय प्राइड युवा कॉन्क्लेव-2026 में निभाई अहम भूमिका

कोतमा। मध्यप्रदेश की राजधानी स्थित ब्लिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित राज्य स्तरीय माय यूथ, माय प्राइड मध्यप्रदेश युवा कॉन्क्लेव-2026 में कोतमा के युवा एंकर उज्ज्वल सराफ ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति से नगर का नाम प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में प्रदेशभर से 5000 से अधिक युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में शिक्षा, स्टार्टअप, खेल, कृषि, एमएसएमई, कौशल विकास, सूचना प्रौद्योगिकी, संस्कृति सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े युवाओं ने अपने विचार, सुझाव और भविष्य की अपेक्षाएं साझा कीं। इस दौरान कोतमा नगर के वार्ड क्रमांक-3 निवासी संजय सराफ के पुत्र एवं प्रसिद्ध एंकर उज्ज्वल सराफ ने मंच संचालन के साथ-साथ लगभग दो घंटे तक युवाओं के बीच रहकर उनसे संवाद किया। उन्होंने युवाओं के विचारों और आकांक्षाओं को प्रभावी ढंग से मंच तक पहुंचाते हुए प्रतिभागियों और मंचासीन अतिथियों के बीच एक मजबूत संवाद सेतु की भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन में कहा कि विकसित मध्यप्रदेश का सपना युवा शक्ति के सहयोग से ही साकार होगा। कार्यक्रम के दौरान युवाओं द्वारा तैयार मध्यप्रदेश यूथ रिजॉल्यूशन भी शासन को सौंपा गया, जिसमें प्रदेश के विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण सुझाव शामिल रहे। कॉन्क्लेव का आकर्षण अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्मस्थली भाबरा से निकली आजाद युवा बाइक रैली तथा ओंकारेश्वर से प्रारंभ हुई शंकर संकल्प साइकिल यात्रा का भव्य स्वागत भी रहा, जिसने पूरे आयोजन में जोश और प्रेरणा का संचार किया। उल्लेखनीय है कि उज्ज्वल सराफ पिछले लगभग 10 वर्षों से एंकरिंग एवं कम्पेयरिंग के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वे मध्यप्रदेश के अनेक प्रतिष्ठित शासकीय, कॉर्पोरेट, खेल, युवा एवं फिल्म प्रमोशन कार्यक्रमों का सफल संचालन कर चुके हैं। अपनी प्रभावशाली वाणी, ऊर्जावान शैली और दर्शकों से सहज संवाद स्थापित करने की क्षमता के कारण उन्होंने प्रदेश के अग्रणी मंच संचालकों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। कोतमा सहित पूरे अनूपपुर जिले के लिए यह उपलब्धि गौरव का विषय मानी जा रही है।

बिजुरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध रेत से भरा ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

3.05 लाख का मशरूका जप्त

अनूपपुर। जिले में अवैध खनन और रेत के अवैध परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बिजुरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। पुलिस ने लगभग 3.05 लाख मूल्य का मशरूका जप्त कर आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं खनिज अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीओपी श्रीमती आरती शाक्य के मार्गदर्शन में जिलेभर में अवैध खनन और रेत परिवहन के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 14/15 जुलाई की दरमियानी रात थाना बिजुरी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बिना वैध अनुमति के रेत का परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बिजुरी थाना तिराहा मुख्य मार्ग पर घेराबंदी कर वाहन चेकिंग शुरू की। कुछ देर बाद एक नीले रंग का ट्रैक्टर-ट्रॉली आता दिखाई दिया, जिसे रोककर जांच की गई। ट्रॉली में रेत भरी मिली। चालक ने अपना नाम बीहन कोल (30 वर्ष), पिता शंकर कोल, निवासी ग्राम डोगरिया बड़ी, थाना बिजुरी बताया। जब पुलिस ने रेत परिवहन से संबंधित वैध रॉयल्टी एवं अन्य दस्तावेज मांगे तो चालक कोई भी वैध अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में अवैध रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को विधिवत जब्त कर थाना परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 303 (2), 317 (5) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा धारा 4/21 खनिज अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विकास सिंह, सहायक उपनिरीक्षक उदय प्रजापति, आरक्षक रवि सिंह (304) एवं आरक्षक मनोज उपाध्याय (389) की सक्रिय एवं सराहनीय भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि जिले में अवैध खनन और रेत के अवैध परिवहन के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

खबर संक्षेप

भक्तों से मिलने निकले भगवान

बिरसिंहपुर पाली। आषाढ शुक्ल पक्ष व्दितीया को भगवान जगन्नाथ अपने भक्तों से मिलने खुद सडक पर निकल पड़े थे, इसी शास्तोक्त परंपरा के अनुसार आज पाली नगर में बहु प्रसिद्ध जगत जननी बिरासनी देवी के दरबार जहाँ पर स्वयं जगन्नाथ भगवान विराजमान है, आज मंदिर से निकल कर भक्तों से मिलने के लिए पहुंचते है। आज भगवान जगन्नाथ जी बिरासनी देवी से नगर के विभिन्न सडकों से रथयात्रा होते हुए सांई मंदिर तक गयी, जहाँ से बाबू लाइन होते नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष पं प्रकाश पालीवाल जी के यहाँ पहुंचकर न सिर्फ विश्राम करेंगे, साथ ही मेहमानी भी करेंगे। भगवान जगन्नाथ रथ पर सवार होकर निकले तो उनके साथ बडे. भैया बलदाऊ और बहन सुभद्रा भी रथ पर सवार थी, जहाँ पर भक्तों ने अपने अपने घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों में विधि विधान से पूजन कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस अवसर पर भक्तों ने जगह जगह भगवान को छप्पन भोग अर्पित किया और भक्तों को वितरण किया। रथ यात्रा के की डोर खींचने के लिए भक्तों की अपार भीड़ उमड रही थी। रथ यात्रा के पीछे राम धुन गाते भक्तों की टोली इस धार्मिक उत्सव की संजीदगी को दुगुणित कर रही थी।

स्वैच्छिकता पर्व के तहत एक पेड़ मां के नाम अभियान में पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा 4 जुलाई से 12 अगस्त तक आयोजित मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद स्थापना दिवस पखवाड़े एवं स्वैच्छिकता पर्व की श्रृंखला में विकासखंड पाली के ग्राम पंचायत मालियागुड़ा में पौधा रोपण किया गया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक महोदय रविन्द्र शुक्ला ब्लॉक समन्वयक पुष्पा टेकाम द्वारा स्वैच्छिकता पर्व अंतर्गत पौधा रोपड़ कार्य,नशा मुक्ति शपथ ग्रहण,स्वच्छता कार्य श्रमदान अधिक से अधिक पौधा रोपड़ कार्य किए जाने की जानकारी दी गई। बैठक की अध्यक्षता सरपंच लक्ष्मी सिंह द्वारा की गई। बैठक में सेक्टर स्तरीय सभी समिति सदस्य गण अध्यक्ष, सचिव नवांकुर संस्था से सचिन विश्वकर्मा परामर्श दाता संजय साहू मलियागुड़ा समिति से संगीता तिवारी ,मुकेश सिंह मुदरिया ग्राम विकाश प्रस्फुटन समिति से रोहन सिंह,कोमल सिंह ,जवाहरसिंह ,ग्रामीण जन ओर अन्य सभी समिति सदस्य सोशल इंटर्नशिप से प्रवीण तिवारी उपस्थित रहे ।

भगवान जगन्नाथ स्वामी की भव्य रथयात्रा श्रद्धा एवं उल्लास के साथ बुढार में निकली, श्रद्धालुओं ने किया जगह-जगह पूजन अर्चन

बुढार। भगवान जगन्नाथ स्वामी की भव्य रथयात्रा गुरुवार को नगर के सुप्रसिद्ध श्रीराम जानकी मंदिर बुढार से श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई, और रथयात्रा को देखने नगर तथा आस-पास के श्रद्धालु जनों का सैलाब उमड़ पड़ा।

श्रीराम जानकी मंदिर के पूज्य महन्त श्री अर्जुन दास जी महाराज वैदिक मन्त्रोंच्चारण के मध्य पूजन अर्चन के उपरांत भगवान जगन्नाथ स्वामी की भव्य रथयात्रा शायं 5 बजे मंदिर से प्रारंभ हुई। भव्य रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ स्वामी, भाई बलभद्र (बलदाऊ) एवं बहन सुभद्रा सुसज्जित रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण के लिये निकले। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने भगवान का पूजन-अर्चन कर पुष्पवर्षा की तथा पुण्य लाभ अर्जित किया। रथयात्रा में श्रीराम जानकी मंदिर के पूज्य महंत अर्जुन दास जी महाराज श्रद्धालु धर्म प्रेमियों के साथ निकले। नगर में रथयात्रा महोत्सव में पहली बार श्रद्धालु जनों का विशाल सैलाब देखा गया, और बाजे-गाजे, संकीर्तन मंडली और भजनों तथा जयघोष के बीच निकली यात्रा ने पूरे नगर को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। भगवान जगन्नाथ स्वामी जी के रथयात्रा में विराजित भगवान जगन्नाथ स्वामी, भाई बलभद्र (बलदाऊ) एवं बहन सुभद्रा के दर्शन के लिये नगर सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों से भारी संख्या में श्रद्धालु जन मंदिर पहुंचे और नगर में जगह-जगह स्वयंसेवी संगठनों व व्यवसायियों ने श्रद्धालुजनों का स्वागत करते हुये जल पान कराया।रथयात्रा श्रीराम जानकी मंदिर से प्रारंभ होकर रेल्वे मार्केट, मेन मार्केट, भानू दीक्षित निवास मार्ग, पंडित दीनदयाल चौक, बनियान टोला एवं सोनारन टोला सहित विभिन्न मार्गों से होती हुई अरविंद नायक के निज निवास पहुंची, जहां भगवान जगन्नाथ स्वामी, माता सुभद्रा एवं भगवान बलभद्र का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक पूजन-अर्चन कर विराजमान कराया गया। भगवान जगन्नाथ स्वामी तीन रात्रि तक नायक परिवार के निवास पर विश्राम करेंगे, और रथयात्रा में सवार होकर भगवान जगन्नाथ स्वामी को वापस नगर के मुख्य मार्गों से होते हुये श्रीराम जानकी मंदिर लाया जायेगा।रथयात्रा के दौरान नगरवासियों में अच्छा खासा उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह भगवान की आरती उतारकर प्रसाद वितरण किया तथा सुख, समृद्धि और लोककल्याण की कामना की। पूरे आयोजन में भक्ति, आस्था और सांस्कृतिक परंपरा का अनुपम संगम देखने को मिला।रथयात्रा में नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार के कुशल निर्देशन में पुलिस की चाक चौबंद व्यस्था रही।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित ब्योहारी रेलवे स्टेशन का आज प्रधानमंत्री करेंगे वर्चुअल लोकार्पण

आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित होगा ब्योहारी स्टेशन

ब्योहारी। ब्योहारी में पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल का प्रमुख रेलवे स्टेशन ब्योहारी में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत आधुनिक स्वरूप में विकसित होकर यात्रियों की सेवा के लिए पूर्णतः तैयार है। लगभग 20.58 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इस स्टेशन का 17 जुलाई 2026 दिन शुक्रवार को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वर्चुअल लोकार्पण किया जाएगा। यह अवसर ब्योहारी क्षेत्र, शहडोल जिले तथा जबलपुर मंडल के लिए गौरव का क्षण होगा।

कटनी – ब्योहारी सिंगरौली रेलखंड पर स्थित ब्योहारी रेलवे स्टेशन क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण रेलवे केंद्र है। यह स्टेशन न केवल स्थानीय यात्रियों की यात्रा आवश्यकताओं को पूरा करता है, बल्कि देश के प्रमुख कोयला परिवहन मार्ग पर स्थित होने के कारण परिचालन की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान में यहां से प्रतिदिन मेल – एक्सप्रेस एवं मेमू सेवाओं सहित विभिन्न नियमित ट्रेनों का संचालन होता है तथा प्रतिदिन लगभग 2,000 से अधिक यात्री इस स्टेशन का उपयोग करते हैं।लोकार्पण समारोह के अंतर्गत 17 जुलाई को दोपहर 2:00 बजे से स्टेशन परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम, फिल्म प्रदर्शन, पुरस्कार वितरण तथा विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके उपरांत अपराह्न 3:45 बजे माननीय प्रधानमंत्री द्वारा देशभर के अमृत भारत स्टेशनों के साथ ब्यौहारी रेलवे स्टेशन का भी वर्चुअल लोकार्पण किया जाएगा।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा ने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत ब्योहारी रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन को ध्यान में रखकर किया गया है। स्टेशन के सभी निर्धारित विकास कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा स्टेशन आधुनिक यात्री सुविधाओं के साथ संचालन के लिए तैयार है।

मंडल रेल प्रबंधक श्री कमल कुमार तलरेजा ने कहा कि पुनर्विकसित ब्योहारी रेलवे स्टेशन आधुनिक भारतीय रेलवे की नई पहचान बनेगा। यह स्टेशन यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं विश्वस्तरीय यात्रा अनुभव प्रदान करने के साथ-साथ क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार, औद्योगिक गतिविधियों तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति देगा।

पुनर्विकास कार्य के अंतर्गत स्टेशन भवन का आकर्षक एवं आधुनिक स्वरूप विकसित किया गया है। मुख्य प्रवेश एवं निकास द्वारों का नवीनीकरण, विस्तृत सर्कुलेटिंग एरिया, बेहतर पार्किंग व्यवस्था, आधुनिक प्रतीक्षालय, उन्नत प्रकाश व्यवस्था तथा सौंदर्यीकरण के माध्यम से स्टेशन को नया स्वरूप प्रदान किया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए आधुनिक साइनेज, डिजिटल ट्रेन सूचना बोर्ड, कोच पोजीशन डिस्प्ले सिस्टम एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म घड़ियां स्थापित की गई हैं। स्टेशन पर यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए 12 मीटर चौड़ा आधुनिक फुट ओवर ब्रिज, लिफ्ट एवं एस्केलेटर की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। साथ ही हाई लेवल प्लेटफॉर्म, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर एवं बेहतर यात्री सुविधाओं का विकास किया गया है।दिव्यांगजनों की सुविधाओं को विशेष प्राथमिकता देते हुए स्टेशन पर रैंप, टैक्टाइल पाथ, दिव्यांग अनुकूल शौचालय, पृथक पार्किंग, पेयजल सुविधा, व्हीलचेयर, हेल्प बूथ तथा सुगम पहुंच मार्ग विकसित किए गए हैं, जिससे सभी वर्गों के यात्रियों को सहज एवं सम्मानजनक यात्रा अनुभव प्राप्त होगा।

पुनर्विकसित ब्योहारी रेलवे स्टेशन की प्रमुख विशेषताएं

- **अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत लगभग 20.58 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास।**
- **आकर्षक एवं आधुनिक स्टेशन भवन तथा भव्य फसाड।**
- **विस्तृत एवं सुव्यवस्थित सर्कुलेटिंग एरिया तथा पार्किंग सुविधा।**
- **12 मीटर चौड़ा आधुनिक फुट ओवर ब्रिज।**
- **लिफ्ट एवं एस्केलेटर की सुविधा।**
- **आधुनिक प्रतीक्षालय एवं उन्नत यात्री सुविधाएं।**
- **डिजिटल ट्रेन सूचना बोर्ड, कोच पोजीशन डिस्प्ले सिस्टम एवं आधुनिक साइनेज।**
- **पूर्णतः दिव्यांगजन अनुकूल अधोसंरचना।**
- **बेहतर प्रकाश व्यवस्था, सौंदर्यीकरण एवं स्वच्छ वातावरण।**

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित ब्योहारी रेलवे स्टेशन क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह स्टेशन आधुनिक भारतीय रेलवे की बदलती तस्वीर का प्रतीक होने के साथ-साथ यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं विश्वस्तरीय यात्रा अनुभव उपलब्ध कराएगा।

पाण्डेय शिक्षा समिति की स्कूलों में गड़बड़झाला

विद्यार्थी गायब, रसोई बंद आधे कर्मचारी भी नदारत, फिर भी रजिस्टर में अधिकांश हाजिर

शासन द्वारा वित्तपोषित आवासीय आदिवासी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टिहकी के नाम से गूरा में संचालित विद्यालय एवं दो किमी दूर बरकछ में संचालित इन्हीं की विद्यालय वालिका आवासीय संचालित है पूरे देश में सभी स्कूले।जुलाई से खुल चुकी है लेकिन यहां विद्यालय की रजिस्टर में दर्ज छात्र 9 जुलाई तक अनुपस्थित है मजे की बात यह कि लगभग आधा स्टांप भी नदारत रहा ! विगत कुछ दिनों से लगा तार आ रही शिकायतों का सच जानने पहुंचे पत्रकारों को देखकर चपरासी ने गेट बंन्द कर ताला लगालिया वोली ऊपर से आदेश है चाहे कोई आए गेट नहीं खोलना है पूछने पर चपरासी ने बताया कि अभी एक भी छात्राएं नहीं है ! दूसरे विद्यालय में मिले कुछ शिक्षकों ने कुछ जान कारियां दी लेकिन ऐ नहीं बता सके कि बच्चे कितने हैं और कहा है ना यही बता सके कि आज भोजन कहां बन रहा है ! आरोप लगाए जा रहे हैं कि यहां के कर्ताधर्ताओं ने छात्रों से जुड़ी कई योजनाओं में व्यापक मात्रा में शोषण और गडबडी की जा रही है ! गौरतलब भवन निर्माण बाउंड्री निर्माण सहित सामग्री खरीदी में एवं अन्य मर्दों में स्कूल प्रबंधन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे हैं सच क्या है यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा आदिवासी नेता के0कोल ने कहा कि पाण्डेय शिक्षा समिति की स्कूलों में अब आदिवासी हरिजन छात्र छात्राओं का शोषण हो रहा है इसकी जांच कार्यवाही होनी चाहिए!

इन आवासीय छात्रावासों का उद्देश्य क्या है ?

ऐसे शासकीय आवासीय आदिवासी विद्यालयों को आदिम जाति कल्याण विभाग चलाता है। इनका मुख्य उद्देश्य है:निःशुल्क शिक्षा + रहना-खाना यससी यसटी/वर्ग के बच्चों को कक्षा 1 से 12वीं तक फ्री पढ़ाई, आवास, पौष्टिक भोजन, यूनिफॉर्म, किताबें, जूते आदि देना ! *दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को मौका*: जंगली/दूरदराज के इलाकों में रहने वाले आदि वासी बच्चों को घर से दूर जाकर अच्छी शिक्षा मिले, ताकि ड्रॉपआउट कम हो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नवोदय विद्यालयों के समकक्ष सुविधाएं मिले- स्मार्ट क्लासरूम, कंप्यूटर लैब, खेल, छात्रावास, शिक्षक-स्टाफ आवासआदि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक माहौल देकर आगे बढ़ाना संक्षेप में कहें तो पढ़ाई के साथ रहना-खाना सब फ्रीः ताकि आदिवासी बच्चे बिना पैसे की दिक्कत के 12वीं तक पढ़ सकें।लेकिन यहां सब उलट हो रहा है मजे की बात यह कि बीईओ और वरिष्ठ अधिकारी गण सब तमाशबीन बने हुए हैं !

निर्माण कार्यों के शिलान्यास, लोकार्पण की जानकारी उपलब्ध करानें के दिए गए निर्देश

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के संज्ञान में यह बात आई है कि निर्माण विभागों द्वारा किसी भी कार्य की स्वीकृति के बाद उनका शिलान्यास, लोकार्पण की जानकारी कार्यालय को प्रस्तुत नहीं की जाती है तथा मनमाने तौर पर कभी भी शिलान्यास, लोकार्पण की तिथि निर्धारित की जाकर सभी निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को न बुलाते हुए बिना प्रोटोकॉल का पालन किए, आमंत्रण पत्र में भी प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया जाता है और बिना कलेक्टर से अनुमोदन के जारी किया जाता है। उन्होंने कहा कि सर्वसंबंधित जनप्रतिनिधियों को बिना सम्मान पूर्वक आमंत्रित किये ही शिलान्यास, लोकार्पण कार्यक्रम सम्पन्न किया जाता है जो उचित नही है। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि समस्त निर्माण कार्य जिनकी स्वीकृति के उपरांत कार्य प्रारंभ होने तथा कार्य पूर्ण होने की जानकारी इस कार्यालय को उपलब्ध करायी जावे ताकि उन कार्यों के शिलान्यास, लोकार्पण हेतु तिथि निर्धारण की कार्यवाही की जा सके तथा जनप्रतिनिधियों से लोकार्पण व शिलान्यास कराया जा सके। उन्होने कहा है कि बिना अनुमति के कोई भी शिलान्यास, लोकार्पण की तिथि निर्धारण न किया जावे।

शास विद्यालय में राजनीतिक गतिविधियों की संलिप्तता को लेकर सौंपा ज्ञापन

बिरसिंहपुर पाली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) के कार्यक्रम में शासकीय कन्या विद्यालय पाली की शिक्षिकाओं के कथित रूप से शामिल होने के मामले को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) ने गंभीर आपत्ति जताते हुए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बिरसिंहपुर पाली को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच एवं आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। एनएसयूआई के प्रदेश सचिव हर्ष अवधिया ने बताया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित फोटो एवं अन्य जानकारियों के आधार पर यह मामला सामने आया है, जिसमें शासकीय कन्या विद्यालय पाली की कुछ शिक्षिकाएं(शासकीय कन्या विद्यालय के प्राचार्य मुख्य रूप से एक राजनीतिक कार्य क्रम में उपस्थित रहकर छात्र संगठन के कार्यक्रम में सक्रिय रूप से दिखाई दे रही हैं। यदि जांच में यह तथ्य सही पाए जाते हैं तो

यह शासकीय सेवा आचरण नियमों का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा तथा इससे शिक्षा व्यवस्था की निष्पक्षता एवं गरिमा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ज्ञापन में प्रशासन से मांग की गई है कि पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, कार्यक्रम में शामिल शिक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच की जाए तथा यदि किसी प्रकार का नियम उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।प्रदेश सचिव हर्ष अवधिया ने कहा कि शासकीय विद्यालय शिक्षा का मंदिर हैं और यहां कार्यरत शिक्षकों से पूर्ण निष्पक्षता एवं सेवा आचरण नियमों के पालन की अपेक्षा की जाती है। किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधियों में शिक्षकों की संलिप्तता शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश सचिव हर्ष अवधिया दुर्गेश नामदेव जावेद खान रवि प्रजापति फैजान नियाजी लकी वर्मा सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रतिष्ठित व्यवसायी सुनील जायसवाल का हृदयाघात से निधन, अंतिम विदाई में उमड़ा जनसैलाब

धनपुरी। धनपुरी नगर के लिए मंगलवार का दिन गहरे शोक का दिन बन गया। वार्ड क्रमांक 18 आजाद चौक निवासी, नगर के प्रतिष्ठित गिफ्ट कार्नर व्यवसायी एवं अपने सौम्य व्यक्तित्व के लिए पहचाने जाने वाले सुनील जायसवाल (50 वर्ष) का मंगलवार को अचानक हृदय गति रुकने से आकस्मिक निधन हो गया। उनके असामयिक निधन की खबर फैलते ही पूरे नगर में शोक की लहर दौड़ गई। वे मंडलम कांग्रेस धनपुरी के अध्यक्ष अनिल जायसवाल के छोटे भाई थे। सुनील जायसवाल केवल एक सफल व्यवसायी ही नहीं, बल्कि अपने सरल, सहज और हंसमुख स्वभाव के कारण हर वर्ग के लोगों के बीच लोकप्रिय थे। उनके व्यवहार में अपनापन और लोगों के प्रति सम्मान की भावना झलकती थी। यही कारण रहा कि उनके निधन का समाचार मिलते ही उनके निवास पर अंतिम दर्शन के लिए जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, मित्रों और शुभचिंतकों का तांता लग गया।बुधवार सुबह 10 बजे नरगड़ा पास स्थित मुक्तिधाम में पूरे श्रद्धा और भावभीनी वातावरण के बीच उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके पुत्र ने मुखाग्नि दी। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए और नम आंखों से अपने प्रिय सुनील जायसवाल को अंतिम विदाई दी। शोकाकुल माहौल में हर व्यक्ति की जुबान पर यही शब्द थे कि नगर ने एक मिलनसार, व्यवहार कुशल और सम्मानित नागरिक को खो दिया है।सुनील जायसवाल के निधन पर हनुमान खंडेलवाल, मुबारक मास्टर, रामसिंह बूजवासी, राजू अग्रवाल, लक्ष्मण सोनी, मोहम्मद शफीक अग्रवाल, रविकरण त्रिपाठी, केदार अग्रवाल संजय राय, पी.के. भगत, जवाहर जायसवाल, गोविंद अग्रवाल, शिवभोले सिंह बघेल, अरुण शर्मा, विजय शर्मा, सुजीत जायसवाल, रज्जे सिंह, अशोक सिंह, नवीन जैन नगर पत्रकार परिषद के मोहम्मद समीम तथा डॉ. विजय सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने गहरा शोक व्यक्त किया। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। नगरवासियों ने कहा कि सुनील जायसवाल का सादगीपूर्ण जीवन, मधुर व्यवहार और सभी के प्रति आत्मीयता उन्हें हमेशा लोगों की स्मृतियों में जीवित रखेगी। उनका निधन न केवल जायसवाल परिवार, बल्कि पूरे धनपुरी नगर के लिए अपूरणीय क्षति है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की समुचित व्यवस्था करें: कलेक्टर

उमरिया। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक कलेक्टर सभागार में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि सभी नगरीय निकाय, जनपद पंचायत तथा ग्राम पंचायतें ठोस कचरे के निपटान के लिए समुचित व्यवस्था करें। नगरीय निकाय घरों और सार्वजनिक स्थलों से गीला कचरा, सूखा कचरा तथा अन्य कचरे का अलग-अलग संग्रहण करके डंपिंग प्वाइंट से उसके निष्पादन की प्रक्रिया सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के लिए शासकीय अधिकारियों के साथ- साथ जनप्रतिनिधियों व आम जनों को भी समान रूप से कार्य करना होगा। उमरिया बढ़ता हुआ शहर है । इसलिए आवश्यक है कि सभी लोग अभी से सजग हो जाए और कचरे के निष्पादन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराएं।

उन्होंने कहा कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में समन्वय स्थापित करते हुए सेनेटरी लैंड फिल

एवं सामान्य अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्रों का एकीकरण सुनिश्चित किया जा रहा है । नगरीय निकाय व वार्ड स्तर पर नियमित प्रतिमाह बैठके आयोजित कर कचरा प्रबंधन के लिए समवेत प्रयास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जिन नगरीय निकायों में पर्याप्त मात्रा में कचरा वाहन की उपलब्धता नही है , वह वाहन की मांग करें तथा बंद गाड़ी में ही कचरा उठाव की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। कलेक्टर ने नगरीय निकायों के अधिकारियों को एसडीएम से समन्वय बनाकर एसटीपी निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि आवंटन कराने के भी निर्देश दिए। सभी कार्यालयों में भी अलग-अलग डस्टबिन रखकर सूखे और गीले कचरे का अलग-अलग संग्रहण कराएं। किसी भी स्थिति में सडक़ पर कचरा न फेकें।

अपर कलेक्टर एवं प्रभारी जिला शहरी विकास अभिकरण प्रमोद कुमार सेन गुप्ता ने बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि एक अप्रैल 2026 से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का नया एक्ट लागू हो गया है। इसके अनुसार शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक कार्यालय और संस्थान से सूखा और गीले कचरे का अलग-अलग संग्रहण करना अनिवार्य है। चार चरणों में ट्रैकिंग नियमों के अंतर्गत कचरा उत्पादन, संग्रहण, परिवहन, प्रसंस्करण, निपटान एवं लीगेसी डंप साइटस का बायोमाइनिंग एवं बायो रेमेडिऐशन की निगरानी अनिवार्य की गई है। कचरा प्रत्येक व्यक्ति उत्पन्न करता है इसलिए इसके प्रबंधन की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय गठित समिति की यह पहली बैठक है जिसमें अधिकारियों के साथ साथ जनप्रतिनिधियों की भी कचरे के निष्पादन तथा उसके रिसाइकल से उपयोगी वस्तुओं के निर्माण की प्रक्रिया के बारे में अवगत कराया जा रहा है। अधिनियम के प्रावधानों का नगरीय निकाय और जनपद पंचायत प्रचार-प्रसार कराएं। कचरे का अवैधानिक रूप से भण्डारण पाए जाने पर कार्यवाही भी की जाएगी। बैठक में नगर परिषद नौरोजाबाद कुशल सिंह, नगरीय निकायो के मुख्य नगर पालिका अधिकारी, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, वार्ड पार्षद, एल्डरमैन उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य ने इग्न्टू अमरकंटक में की समीक्षा बैठक

अनूपपुर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (इग्न्टू) अमरकंटक में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य के आगमन पर विश्वविद्यालय परिवार ने प्रभारी कुलपति प्रो. अवधेश कुमार शुक्ल द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। पौधारोपण कार्यक्रम में मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल तथा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी भी शामिल हुए। इसके बाद श्री आर्य ने विश्वविद्यालय के अनुसूचित जनजातीय प्रकोष्ठ के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष ने प्रभारी कुलपति, कुलसचिव तथा विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक भी की। बैठक में कुलसचिव प्रो. मूर्ति ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं विकासात्मक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। मॉडल ट्राइबल स्कूल के संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि कक्षा 1 से 8 तक संचालन की मान्यता जिला शिक्षा अधिकारी, अनूपपुर द्वारा प्रदान की गई है, जबकि कक्षा 9 से 12 तक संचालन के लिए विस्तृत प्रस्ताव संबंधित मंत्रालय को भेजा जा चुका है। अपने संबोधन में अंतर सिंह आर्य ने कहा कि देश में जनजातीय विश्वविद्यालय का होना गौरव का विषय है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को आत्मसात करते हुए राष्ट्रहित में समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए भविष्य के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर दिल्ली से आए आयोग के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों राजीव सक्सेना (निजी सचिव), आर.के. दूबे (सलाहकार), अंकित कुमार सेन (अनुसंधान अधिकारी), आर.एन. शर्मा (निजी सहायक) तथा अमृत प्रजापति (सलाहकार) का विश्वविद्यालय परिवार द्वारा स्वागत किया गया। बैठक में परीक्षा नियंत्रक प्रो. शैलेन्द्र सिंह भदौरिया, डीएसडब्ल्यू तरुण ठाकुर, प्रभारी वित्त अधिकारी प्रो. गौरी शंकर महापात्रा, कुलानुशासक प्रो. मनीषा शर्मा, उप कुलसचिव डॉ. पूजा तिवारी, डॉ. संजीव सिंह सहित विश्वविद्यालय के सभी प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में नोडल अधिकारी एवं डीन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. शिव कुमार मिश्र ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

नंगे पैर श्रद्धालुओं ने खींचा रथ, जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंज उठा अनूपपुर

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

अनूपपुर। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के पावन अवसर पर गुरुवार, 16 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) के तत्वावधान में भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलराम एवं बहन सुभद्रा की भव्य रथयात्रा अनूपपुर नगर में ऐतिहासिक रूप से निकाली गई। नगर में आयोजित इस रथयात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने नंगे पैर भगवान का रथ खींचकर अपनी आस्था प्रकट की। पूरे शहर में जय जगन्नाथ और हरे कृष्ण, हरे राम के जयघोष से भक्तिमय वातावरण बना रहा। रथयात्रा का शुभारंभ शिव मारुति मंदिर, सामतपुर से वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूजा-अर्चना के साथ हुआ। भगवान जगन्नाथ, बलराम एवं सुभद्रा की सुसज्जित प्रतिमाओं को विशेष रथ पर विराजमान कर यात्रा प्रारंभ की गई। यात्रा के दौरान हजारों श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए रथ की रस्सी खींचते चले। कई श्रद्धालु भगवान के रथ के आगे झाड़ू लगाकर सेवा करते नजर आए। नगर के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं एवं सामाजिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत किया तथा आरती उतारी। पूरे मार्ग में भक्ति, उत्साह और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। रथयात्रा मार्ग पर विभिन्न सेवा समितियों एवं श्रद्धालुओं द्वारा शरबत, शीतल जल, बिस्किट, फल एवं अन्य स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई थी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ का प्रसाद ग्रहण किया। भीड़ को देखते हुए प्रशासन एवं पुलिस द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में आयोजित समापन समारोह में भगवान जगन्नाथ को छप्पन भोग अर्पित किया गया। इसके पश्चात महाआरती, कथा, हरिनाम संकीर्तन, भजन-कीर्तन एवं विशाल महाप्रसाद वितरण का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। इस्कॉन अनूपपुर केंद्र के प्रभारी ने रथयात्रा की ऐतिहासिक सफलता पर सभी श्रद्धालुओं, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, पुलिस एवं नगरवासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ की कृपा और सभी के सहयोग से आगामी वर्षों में रथयात्रा को और अधिक भव्य स्वरूप दिया जाएगा तथा अनूपपुर में शीघ्र ही इस्कॉन मंदिर की स्थापना का भी प्रयास किया जाएगा। इस ऐतिहासिक आयोजन ने अनूपपुर को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। नगर ही नहीं, आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु रथयात्रा में शामिल हुए। नगर में निकली भगवान जगन्नाथ की इस भव्य रथयात्रा ने अनूपपुर के धार्मिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया।

नर्मदा मंदिर ट्रस्ट पर सवालों के बाद टली बैठक

विधायक मार्को के पत्र से मचा सियासी भूचाल

क्या जवाबदेही से बच रहा है ट्रस्ट?

अनूपपुर। राम मंदिर चंदा चोरी प्रकरण के बाद मां नर्मदा मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने वाले पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को अब एक और पत्र के कारण चर्चा में हैं। ट्रस्ट की पारदर्शिता, करोड़ों की संपत्ति और वित्तीय जवाबदेही पर सवाल उठाने के कुछ ही दिनों बाद उन्होंने कलेक्टर अनूपपुर को पत्र लिखकर ट्रस्ट की बैठक की तिथि पुनर्निर्धारित करने की मांग की है। इस घटनाक्रम ने अमरकंटक की सियासत और ट्रस्ट प्रबंधन को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। अमरकंटक स्थित मां नर्मदा मंदिर ट्रस्ट इन दिनों लगातार विवादों और सवालों के घेरे में है। पहले विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने ट्रस्ट की आय-व्यय, करोड़ों रुपये के चढ़ावे, सोना-चांदी, चल-अचल संपत्तियों और विकास कार्यों का सार्वजनिक लेखा-जोखा जारी करने की मांग उठाकर ट्रस्ट की पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए। इसी बीच ट्रस्ट की बैठक पहले 15 जुलाई को प्रस्तावित थी, जिसे स्थगित कर 18 जुलाई निर्धारित किया गया। अब विधायक ने कलेक्टर को पत्र लिखकर बैठक की तिथि फिर से बदलने का अनुरोध किया है। उनका कहना है कि 20 जुलाई से विधानसभा का मानसून सत्र शुरू हो रहा है, जिससे सांसद और विधायक सहित कई सदस्य शासकीय दायित्वों में व्यस्त रहेंगे। उनका आग्रह है कि सभी सदस्यों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए नई तिथि तय की जाए, ताकि ट्रस्ट के महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा और निर्णय हो सके।

करोड़ों के हिसाब पर सवाल

कुछ दिन पहले विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने सार्वजनिक रूप से पूछा था कि मां नर्मदा मंदिर ट्रस्ट के पास वर्षों से आए करोड़ों रुपये के चढ़ावे, सोना-चांदी और अन्य संपत्तियों का विस्तृत लेखा-जोखा जनता के सामने क्यों नहीं रखा जाता। इस बयान के बाद ट्रस्ट की बैठक होने वाली थी, लेकिन अब बैठक की तिथि बदलने की मांग वाला पत्र सामने आने से पूरे घटनाक्रम ने नया राजनीतिक और प्रशासनिक मोड़ ले लिया है।

विधायक बोले सभी सदस्य रहें मौजूद

कलेक्टर को भेजे गए पत्र में विधायक ने कहा है कि मां नर्मदा मंदिर ट्रस्ट की बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में सांसद, विधायक और अन्य सभी सदस्यों की उपस्थिति जरूरी है। उन्होंने तर्क दिया कि विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले जनप्रतिनिधियों की व्यस्तता बढ़ जाती है। इसलिए बैठक ऐसी तिथि पर हो, जिसमें सभी सदस्य शामिल होकर ट्रस्ट से जुड़े अहम मुद्दों पर खुलकर विचार-विमर्श कर सकें।

ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर पहले से उठ रहे है सवाल

विधायक पहले ही ट्रस्ट की वित्तीय पारदर्शिता, विकास कार्यों और निर्णय प्रक्रिया पर सवाल उठा चुके हैं। उनका कहना रहा है कि यदि ट्रस्ट आर्थिक रूप से सक्षम है तो अमरकंटक में श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान क्यों होना पड़ता है। उन्होंने ट्रस्ट की आय-व्यय, संपत्तियों और विकास योजनाओं का सार्वजनिक विवरण जारी करने की मांग भी की थी, जिससे श्रद्धालुओं का विश्वास और मजबूत हो सके।

क्या बैठक में होंगे बड़े फैसले? बढ़ी उत्सुकता

ट्रस्ट की बैठक को लेकर अब लोगों की उत्सुकता और बढ़ गई है। माना जा रहा है कि बैठक में मंदिर प्रबंधन, विकास कार्यों और प्रशासनिक विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा हो सकती है। हालांकि बैठक की तिथि बदले जाने की मांग के बाद यह सवाल भी उठने लगे हैं कि आखिर नई तारीख कब तय होगी और क्या विधायक द्वारा उठाए गए मुद्दों पर ट्रस्ट की ओर से कोई आधिकारिक जवाब सामने आएगा।

अब ट्रस्ट और प्रशासन की प्रतिक्रिया पर टिकी निगाहें

विधायक का पत्र सामने आने के बाद अब सबकी निगाहें ट्रस्ट प्रबंधन, कलेक्टर और संभागीय आयुक्त पर हैं। क्या बैठक की तिथि बदली जाएगी? क्या ट्रस्ट अपनी वित्तीय व्यवस्था और विकास कार्यों का सार्वजनिक विवरण जारी करेगा? या फिर केवल बैठक आयोजित कर औपचारिकता पूरी की जाएगी? इन सवालों के जवाब आने वाले दिनों में न केवल ट्रस्ट की कार्यप्रणाली बल्कि उसकी पारदर्शिता पर भी जनता का भरोसा तय करेंगे।

चेक बाउंस मामले में कोर्ट का बड़ा फैसला, अभियुक्त दोषी करार

बैंक को ब्याज सहित 4.12 लाख प्रतिकर और 16,968 वाद व्यय देने का आदेश

भुगतान नहीं करने पर होगी जेल

राजेन्द्रग्राम। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, राजेन्द्रग्राम के न्यायालय ने चेक बाउंस (परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138) के एक महत्वपूर्ण मामले में अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए बैंक के पक्ष में फैसला सुनाया है। न्यायालय ने अभियुक्त को बैंक को चेक राशि, ब्याज सहित कुल 4,12,221 प्रतिकर तथा 16,968 वाद व्यय का भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। प्रकरण सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, शाखा लालपुर द्वारा शाखा प्रबंधक के माध्यम से न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। बैंक की ओर से अधिवक्ता विजेन्द्र सोनी ने प्रभावी पैरवी की। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पाया कि अभियुक्त शारदा प्रसाद वर्मा, पिता भगवती प्रसाद वर्मा, निवासी हर्राटोला, थाना अमरकंटक, जिला अनूपपुर द्वारा जारी किया गया चेक बैंक में प्रस्तुत होने पर अनादृत (बाउंस) हो गया था। उपलब्ध साक्ष्यों एवं तथ्यों के आधार पर न्यायालय ने परक्राम्य लिखत अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन को सिद्ध मानते हुए अभियुक्त को दोषसिद्ध घोषित किया। न्यायालय ने आदेश में कहा है कि अभियुक्त निर्धारित प्रतिकर राशि का भुगतान करेगा। यदि वह ऐसा करने में विफल रहता है तो उसे 3 माह का साधारण कारावास भुगतना होगा। वहीं, वाद व्यय की राशि का भुगतान नहीं करने पर 1 माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भी भुगतना पड़ेगा। प्रकरण में बैंक की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता विजेन्द्र सोनी ने निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह फैसला बैंकिंग लेन-देन में चेक की विश्वसनीयता बनाए रखने तथा वित्तीय अनुशासन को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय उन लोगों के लिए भी स्पष्ट संदेश है जो चेक जारी करने के बाद अपने वैधानिक दायित्वों का निर्वहन नहीं करते।

डोला में 1000 पौधों का वृहद वृक्षारोपण, 400 नागरिकों ने निभाई पर्यावरण संरक्षण की

अनूपपुर। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित नगर के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से नगर परिषद डोला द्वारा गुरुवार को वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। अभियान के तहत नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर लगभग 1000 पौधों का रोपण किया गया, जिसमें करीब 400 नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रीनू सुरेश कोल के मार्गदर्शन एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखन लाल पनिका के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष पति सुरेश कोल, इंजीनियर मानशाह कुंजाम, राजस्व उप निरीक्षक कमलेश त्रिपाठी, लेखापाल राकेश मरावी, पार्षद अवधेश राय, पार्षद पति शैलेश प्रताप सिंह, महादेव, राकेश कोल, अंत्योदय समिति सदस्य राजधर, मंडल अध्यक्ष रिंकू शर्मा, नगर परिषद के अधिकारी-कर्मचारी, सफाई कर्मी, जनप्रतिनिधि, पत्रकार एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। अभियान के दौरान सभी अतिथियों एवं नागरिकों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। साथ ही लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का भी वचन दिया, ताकि यह अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहकर हरित भविष्य की मजबूत नींव बन सके। मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखन लाल पनिका ने कहा कि वृक्ष प्रकृति का अमूल्य उपहार हैं। यदि प्रत्येक नागरिक कम से कम एक पौधा लगाकर उसके वृक्ष बनने तक उसकी देखभाल करे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ पर्यावरण उपलब्ध कराया जा सकता है। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रीनू सुरेश कोल ने कहा कि नगर परिषद डोला पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से यह अभियान सफल हुआ है और भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के समापन पर नगर परिषद डोला की ओर से सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, सफाई कर्मियों, पत्रकारों एवं नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। साथ ही नगर को स्वच्छ, हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए सामूहिक प्रयास निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया गया।

जैतहरी को मिली खेल और स्वास्थ्य की नई पहचान

नरेंद्र मोदी स्टेडियम व नमो फिटनेस का लोकार्पण

युवाओं के सपनों को मिला नया मैदान

आधुनिक फिटनेस सेंटर से स्वस्थ जीवनशैली को मिलेगा बढ़ावा

अनूपपुर। नगर परिषद जैतहरी ने खेल और स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए नगरवासियों, विशेषकर युवाओं को बड़ी सौगात दी है। नगर में नव निर्मित श्नरेंद्र मोदी स्टेडियमश एवं अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित नमो फिटनेस का लोकार्पण मुख्य अतिथि विधायक एवं पूर्व मंत्री बिसाहूलाल सिंह, विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष हीरा सिंह श्याम, पूर्व उपाध्यक्ष विंध्य विकास प्राधिकरण अनिल गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता के नेतृत्व में तैयार हुई यह पहल केवल स्टेडियम और जिम के उद्घाटन तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को खेल, स्वास्थ्य और सकारात्मक जीवनशैली से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। लंबे समय से जैतहरी का एकमात्र खेल मैदान बदहाल स्थिति में था, जिसके कारण खेल गतिविधियां लगभग ठप पड़ गई थीं। कभी फुटबॉल प्रतियोगिताओं के लिए पूरे क्षेत्र में अपनी अलग पहचान रखने वाला जैतहरी धीरे-धीरे अपनी खेल विरासत खोता जा रहा था। नए स्टेडियम के निर्माण से खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में फिर से उत्साह का संचार हुआ है। उम्मीद जताई जा रही है कि यहां भविष्य में फुटबॉल, क्रिकेट, एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा और स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का बेहतर अवसर मिलेगा। इसके साथ ही शुरू हुआ नमो फिटनेस युवाओं और नागरिकों को आधुनिक व्यायाम सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। वर्तमान समय में बढ़ती स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों और बदलती जीवनशैली को देखते हुए यह फिटनेस सेंटर लोगों को नियमित व्यायाम, स्वास्थ्य जागरूकता और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। साथ ही यह युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखकर सकारात्मक गतिविधियों की ओर आकर्षित करने में भी सहायक सिद्ध हो सकता है। नगरवासियों का मानना है कि यदि स्टेडियम और फिटनेस सेंटर का नियमित रखरखाव तथा बेहतर संचालन सुनिश्चित किया गया, तो आने वाले वर्षों में जैतहरी खेल और फिटनेस के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित करेगा। यह पहल केवल आधारभूत सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि नगर के युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने और उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

कलेक्टर हर्षल पंचोली का औचक निरीक्षण

एमआरएफ सेंटर और लेगेसी वेस्ट साइट्स की व्यवस्थाएं परखी

जैतहरी के एमआरएफ सेंटर की सराहना

बरगवां और कोतमा में एक सप्ताह में संचालन शुरू करने के निर्देश

अनूपपुर। जिले में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन को गति देने के उद्देश्य से कलेक्टर हर्षल पंचोली ने बुधवार को नगर परिषद बरगवां (अमलाई), जैतहरी तथा नगर पालिका परिषद कोतमा के एमआरएफ (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटर एवं लेगेसी वेस्ट साइट्स का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कचरा संग्रहण, पृथक्करण, प्रसंस्करण और निष्पादन की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कहा कि घरों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाले गीले और सूखे कचरे का शत-प्रतिशत स्रोत स्तर पर पृथक्करण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सूखे कचरे से पुनर्चक्रण योग्य सामग्री का समयबद्ध पृथक्करण कर उसके अधिकतम उपयोग पर बल देते हुए कहा कि इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ नगरीय निकायों की आय में भी वृद्धि होगी। उन्होंने एमआरएफ सेंटरों के नियमित संचालन, साफ-सफाई और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। लेगेसी वेस्ट साइट्स का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने वर्षों से जमा कचरे के सुरक्षित निष्पादन की प्रगति की समीक्षा की और बायो-माइनिंग कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर लेगेसी वेस्ट का पूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि स्थानीय नागरिकों को दुर्गंध और प्रदूषण से राहत मिल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने स्वच्छता मित्रों से चर्चा कर उनकी कार्य परिस्थितियों की जानकारी ली तथा सभी स्वच्छता कर्मियों को पीपीई किट, ग्लव्स, मास्क सहित आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर परिषद बरगवां (अमलाई) और नगर पालिका परिषद कोतमा के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके निकायों में एमआरएफ सेंटर आगामी एक सप्ताह के भीतर पूर्ण रूप से स्थापित कर संचालन प्रारंभ किया जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने नगर परिषद जैतहरी के एमआरएफ सेंटर की व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताते हुए मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं उपयंत्री कुलदीप नारायण मिश्रा तथा स्वच्छता प्रभारी संजीव राठौड़ की प्रशंसा की। साथ ही जिला शहरी विकास अभिकरण के सिटी मिशन मैनेजर राजन श्रीवास्तव को निर्देश दिए कि जिले के सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का एक्सपोजर विजिट नगर परिषद जैतहरी में आयोजित कराया जाए, ताकि वहां की बेहतर कार्यप्रणाली को अन्य नगरीय निकायों में भी लागू किया जा सके। निरीक्षण के दौरान संबंधित नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी, उपयंत्री, जिला शहरी विकास अभिकरण के सिटी मिशन मैनेजर तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।